

अध्याय - 2 | जीव जगत का वर्गीकरण

- कवकों में कोशिका भित्ति मुख्य रूप से किस पदार्थ से बनी होती है?
 - A. सेल्युलोज
 - B. काइटिन
 - C. लिग्निन
 - D. प्रोटीन(B)

व्याख्या: कवकों की कोशिका भित्ति पॉलीसैक्रेट्राइड तथा काइटिन से बनी होती है, जो उन्हें कठोर संरचना प्रदान करती है।

- कवक में पौधों के समान प्रकाश संश्लेषण क्यों नहीं होता?
 - A. क्योंकि इनमें क्लोरोफिल नहीं होता
 - B. क्योंकि ये परपोषी हैं
 - C. क्योंकि ये जलीय जीव हैं
 - D. दोनों A और B(D)

व्याख्या: कवकों में क्लोरोफिल अनुपस्थित होता है और वे मृत या जीवित पदार्थों से पोषण लेते हैं, अतः प्रकाश संश्लेषण नहीं करते।

- कवक तन्तुओं (Hyphae) के समूह को क्या कहा जाता है?
 - A. बीजाणु
 - B. कवक जाल
 - C. फलनकाय
 - D. कोएनोसाइट(B)

व्याख्या: अनेक कवक तन्तु आपस में मिलकर एक जाल जैसी संरचना बनाते हैं जिसे कवक जाल या माइसीलियम कहते हैं।

- कवक में संचित भोज्य पदार्थ सामान्यतः किस रूप में पाया जाता है?
 - A. मण्ड
 - B. ग्लूकोज
 - C. ग्लाइकोजन
 - D. सेल्युलोज(C)

व्याख्या: कवकों में ऊर्जा संचित करने वाला पदार्थ ग्लाइकोजन होता है, जो पशुओं में भी पाया जाता है।

- कवक और शैवाल का सहजीवी रूप क्या कहलाता है?
 - A. कवकमूल
 - B. लाइकेन
 - C. फंजाई
 - D. प्लाज्मोडियम(B)

व्याख्या: शैवाल और कवक के सहजीवी संबंध को लाइकेन कहा जाता है, जिसमें दोनों एक-दूसरे के पूरक रूप से रहते हैं।

- फाइकोमाइसिटीज वर्ग के कवक सामान्यतः कहाँ पाए जाते हैं?
 - A. शुष्क स्थानों पर
 - B. जलीय और नम स्थानों पर
 - C. ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में
 - D. केवल पौधों की जड़ों में(B)

व्याख्या: फाइकोमाइसिटीज कवक जलीय आवासों, सड़ी-गली लकड़ी या सीलन भरे स्थानों पर पाए जाते हैं।

- फाइकोमाइसिटीज में अलैंगिक जनन किस प्रकार के बीजाणुओं से होता है?
 - A. एंडोजेनस चल या अचल बीजाणुओं से
 - B. बाह्य बीजाणुओं से
 - C. अंकुरण बीजाणुओं से
 - D. निषेचित बीजाणुओं से(A)

व्याख्या: फाइकोमाइसिटीज में अलैंगिक जनन एंडोजेनस रूप से बनने वाले चल या अचल बीजाणुओं द्वारा होता है।

- सरसों पर पाया जाने वाला परजीवी कवक कौन-सा है?
 - A. म्यूकर
 - B. राइजोपस
 - C. एल्बूगो
 - D. पक्सीनिया(C)

व्याख्या: एल्बूगो एक परजीवी कवक है जो सरसों की पत्तियों पर सफेद धब्बे उत्पन्न करता है।

- कवकों में लैंगिक जनन के दौरान दो केन्द्रीय नामिकों के संलयन को क्या कहते हैं?
 - A. प्लाज्मोगैमी
 - B. केन्त्रक संलयन
 - C. विरंगन
 - D. अंडाणु निर्माण(B)

व्याख्या: लैंगिक जनन के दौरान दो नामिकों के संलयन को केन्त्रक संलयन या कैरियोगैमी कहते हैं।

- रोटी अथवा फलों के सड़ने का कारण क्या है?
 - A. कवक
 - B. जीवाणु
 - C. कीट
 - D. प्रोटोजोआ(A)

व्याख्या: रोटी या फलों का सड़ना कवकों जैसे म्यूकर और राइजोपस की वृद्धि के कारण होता है।